सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 351 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 29 जनवरी, 2025

मूल्य ₹ 3/-

जब तक आपका शरीर स्वस्थ और नियंत्रण में है और मृत्यु दूर है, अपनी आत्मा को बचाने की कोशिश कीजिये, जब मृत्यु सर पर आ जायेगी तब आप क्या कर पाएंगे?

-चाणक्य

इंग्लैंड ने भारत को 26 रन से... 7 | दिल्ली चुनाव में ईसी व कोर्ट की... 3 | सपा की पीडीए पंचायत, उड़ायेगी... 2

महाकुंभ में कुप्रबंधन!

हो गया बड़ा हादसा

20 से ज्यादा मौतें, सैकड़ों घायल

» योगी सरकार के दावों पर उठने लगे सवाल

» विपक्ष ने भाजपा सरकार पर लगाया बदइंतजामी का आरोप, मांगा इस्तीफा

» पीएम मोदी व नेता प्रतिपक्ष की लोगों से संयम बरतने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के अवसर पर सुबह मची भगदड़ में कई श्रद्धालुओं की मौत और घायल होने पर अलग-अलग दलों के नेताओं ने मृतकों को श्रद्धांजलि दी है और सरकार से घायलों को समुचित इलाज उपलब्ध करवाने की अपील की है। बता दें संगम नगरी प्रयागराज में महाकुंभ में 28 जनवरी की रात भगदड़ मच गई। घटना में 20 से अधिक श्रद्धालुओं की मौत व सैकड़ों के घायल होने की सूचना है। वहीं इस हादसे के बाद योगी सरकार के दावों पर सवाल उठने लगा है।

विपक्ष ने भी बीजेपी सरकार को घेरा है। आम लोग भी सवाल उठा रहे हैं कि जब सरकार व सीएम खुद ही दस करोड़ से ज्यादा लोगों के महाकुंभ में आने का दावा कर थे तो भीड़ प्रबंधन की उचित व्यवस्था क्यों नहीं की। हालांकि हादसे के बाद व्यवस्था को सेना को सौंपने की भी खबरें आ रही हैं। आप, यूबीटी शिवसेना ने इसकी मांग भी की हैं। उधर पीएम मोदी, सीएम योगी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोगों से संयम रखने की अपील की है। कांग्रेस सांसद राहुल ने कांग्रेस के लोगों से कुंभ क्षेत्र में प्रभावित लोगों को मदद करने को कहा है साथ योगी सरकार को घेरते हुए सभी पीड़ितों की यथासंभव सहायता देने की अपील की है।

सीएम योगी की श्रद्धालुओं से अपील

महाकुंभ में हुई भगदड़ के बाद मुख्यमंत्री योगी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वह संगम नोज जाने के बजाय निकट के घाट पर स्नान कर लें। सीएम योगी ने कहा है कि स्नान के लिए कई घाट बनाए गए हैं। लोग वहां स्नान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में प्रशासन के नियमों का ध्यान रखें और किसी प्रकार की अफवाह में न आएं। मौके से सामने आए वीडियो के अनुसार कुछ महिलाओं और बच्चों को भी चोट लगी है। अभी हालात काबू में बताये जाते हैं। महाकुंभ नगर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अफवाहों पर ध्यान न देने और संयम बरतने की अपील की है।

28 जनवरी की रात महाकुंभ में भगदड़ मच गई

40 से अधिक गाड़ियां मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में लगीं

200 से अधिक श्रद्धालुओं का चल रहा है उपचार

भीड़ को काबू में करने के लिए प्रशासन अलर्ट

प्रशासन ने नवनिर्मित संगम जंक्शन को बंद किया है। मौनी अमावस्या पर आयोजित हुए अमृत स्नान में करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु संगम पर पहुंचे थे। अब भी श्रद्धालुओं का बड़ी संख्या में संगम के तट पर पहुंचना जारी है। कई श्रद्धालुओं को रोका जा रहा है। हादसे के बाद प्रशासन ने अधिक सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। इस कड़ी में प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के मद्देनजर कई कदम उठा रहा है।

हताहत श्रद्धालुओं को सर्वश्रेष्ठ हॉस्पिटलों तक पहुंचाएं : अखिलेश

गंभीर रूप से घायलों को एअर एंबुलेंस की मदद से निकटतम सर्वश्रेष्ठ हॉस्पिटलों तक पहुंचाकर तुरंत चिकित्सा व्यवस्था की जाए। मृतकों के शवों को चिन्हित करके उनके परिजनों को सौंपने और उन्हें उनके निवास स्थान तक भेजने का प्रबंध किया जाए। जो लोग बिछड़ गये हैं, उन्हें मिलाने के लिए त्वरित प्रयास किये जाएं। - हैलीकाप्टर का सदुपयोग करते हुए निगरानी बढ़ाई जाए। - सतयुग से चली आ रही 'शाही स्नान' की अखण्ड-अमृत परंपरा को निरंतर रखते हुए, राहत कार्यों के समानांतर सुरक्षित प्रबंधन के बीच 'मौनी अमावस्या के शाही स्नान' को संपन्न कराने की व्यवस्था की जाए। श्रद्धालुओं से भी हमारी अपील है कि वो इस कठिन समय में संयम और धैर्य से काम लें और शांतिपूर्वक अपनी तीर्थयात्रा संपन्न करें। सरकार आज की घटना से सबक लेते हुए श्रद्धालुओं के रुकने, ठहरने, भोजन-पानी व अन्य सुविधाओं के लिए अतिरिक्त प्रबंध करे। हादसे में आहत हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना।

फोटो: सुमित कुमार

"महाकुंभ में इस दुखद घटना के लिए कुप्रबंधन, बदइंतजामी और आम श्रद्धालुओं की जगह वीआईपी मूवमेंट पर प्रशासन का विशेष ध्यान होना जिम्मेदार है।

राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष लोकसभा

"प्रयागराज की संगम स्थली पर, महाकुंभ में हुई भगदड़ में, जिन भी श्रद्धालुओं ने अपनी जान गवाई है व घायल हुए हैं। यह घटना अति-दुःखद व चिन्तनीय है। ऐसे समय में कुदरत पीड़ितों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दे, पार्टी की यही कामना।

मायावती, बसपा सुप्रीमो

"महाकुंभ में भगदड़ होने से कई लोगों के मृत और घायल होने का समाचार पीड़ादायक है। यह दुखद घटना इस मेले की अव्यवस्था और उत्तरप्रदेश सरकार की नाकामियों को उजागर कर रही है।

अजय राय,कांग्रेस, प्रदेश अध्यक्ष

सपा की पीडीए पंचायत, उड़ायेगी बीजेपी की नींद!

» अब बूथ स्तर पर आयोजित होगी पीडीए पंचायत

» अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प के साथ उतरेंगे सपा कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर यूपी के सभी जनपदों में बूथ स्तर तक पीडीए पंचायत का आयोजन शुरू करने के निर्देश दिये हैं। सपा अपने इस कार्यक्रम के जरिये 2027 में होने वाले यूपी के चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने और अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प के साथ संघर्ष करने का एलान किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने घर-घर पीडीए पर्चा पहुंचाने की अपील करते हुए कहा है कि प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथियों के लिए बाबा साहेब सदैव से एक ऐसे व्यक्तित्व रहे हैं, जिन्होंने संविधान बनाकर शोषणात्मक-नकारात्मक प्रभुत्ववादी सोच पर पाबंदी लगाई थी। इसीलिए ये प्रभुत्ववादी हमेशा से बाबा साहेब के खिलाफ रहे हैं और समय-समय पर उनके अपमान के लिए तिरस्कारपूर्ण बयान देते रहे हैं। प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथियों ने कभी भी बाबा साहेब के सबकी बराबरी के सिद्धांत को स्वीकार नहीं किया क्योंकि ऐसा करने से समाज एक समान भूमि पर बैठा दिखता, जबकि प्रभुत्ववादी और उनके संगी-साथी चाहते थे कि उन जैसे जो सामंती लोग सदियों से सत्ता और धन पर कब्जा करके सदैव ऊपर रहे हैं वो हमेशा ऊपर ही रहें और पीडीए समाज के लोग लोग शोषित, वंचित, पी?ित हैं वो सब सामाजिक सोपान पर हमेशा नीचे ही रहें।

संविधान बना कर पीडीए को दिया रक्षा कवच

अखिलेश यादव ने कहा है कि बाबा साहेब ने इस व्यवस्था को तो?ने के लिए शुरू से आवाज ही नहीं उठाई बल्कि जब देश आजाद हुआ तो संविधान बनाकर उत्पी?ित पीडीए समाज की रक्षा का कवच के रूप में दिया। आज के प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथियों के वैचारिक पूर्वजों ने बाबा साहेब के बनाए संविधान को अभारतीय भी कहा और उसे सभ्यता के विरूद्ध भी बताया क्योंकि संविधान ने उनकी परम्परागत सत्ता को चुनौती दी थी और देश की 90प्रतिशत वंचित आबादी को आरक्षण के माध्यम से हक और अधिकार दिलवाया था, साथ ही उनमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास की स्थापना भी की थी।

हमेशा से आरक्षण के विरोधी हैं प्रभुत्ववादी

प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथी सदैव आरक्षण के विरोधी रहे हैं। सदियों की पीड़ा और आरक्षण दोनों ही पीडीए को एकसूत्र करते हैं, चूंकि बाबा साहेब संविधान और सामाजिक न्याय के सूत्रधार थे। इसीलिए ऐसे प्रभुत्ववादी नकारात्मक लोगों को बाबा साहेब हमेशा अखरते थे। बाबा साहब ने हर एक इंसान को एक मानव के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने के लिए आंदोलन में हिस्सा लेने की बात कही भी ओर खुद करके भी दिखाया व तथाकथित उच्च जाति और सामंती शोषण को साहसपूर्ण चुनौती भी दी। बाबा साहेब ही आत्म सम्मान के प्रेरणास्रोत रहे। इसीलिए प्रभुत्ववादियों और उनके संगी-साथी हर बार बाबा साहेब और उनके बनाये सवंधिान के अपमान-तिरस्कार की साजिश रचते रहते हैं जिससे कि पीडीए समाज मानसिक रूप से हतोत्साहित हो जाए और अपने अधिकार के लिए कोई आंदोलन न कर पाये। जब कभी ये बात समझ कर पीडीए समाज आक्रोशित होता है, तो सत्ताकामी ये प्रभुत्ववादी और उनके संगी-साथी दिखावटी माफी का नाटक भी रचते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि तो आइए मिलकर देश का संविधान और बाबा साहेब का मान व आरक्षण बचाएं और अपने सुनहरे, नये भविष्य के लिए एकजुट हो जाएं।

संगम जीवन भर मेलजोल का सकारात्मक संदेश देता है

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ 144 साल में एक बार आता है, वो भी संगम के किनारे ही, मतलब जीवन में एक बार और वो भी नदियों के मिलन स्थल पर, इसीलिए इससे ये संकल्प लेना चाहिए कि हमें जो जीवन मिला है वो अलग-अलग दिशाओं से आती हुई धाराओं के मिलन से ही अपना सही अर्थ और मायने पा सकता है। हमें संगम की तरह जीवन भर मेलजोल का सकारात्मक संदेश देना चाहिए। सद्भाव, सौहार्द और सहनशीलता की त्रिवेणी का संगम जब-जब व्यक्ति के अंदर होगा तब-तब हम सब महाकुंभ का अनुभव करेंगे।

लालू के बिना तेजस्वी कुछ नहीं : नीरज कुमार

» जदयू के प्रवक्ता लालू परिवार पर बरसे

» कहा- तेजस्वी को खेल कीर्ति पुरस्कार उनकी काबिलियत पर नहीं बल्कि उनके माता-पिता के कारण मिला था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गया। जदयू के मुख्य प्रवक्ता सह एमएलसी नीरज कुमार नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को खेल कीर्ति पुरस्कार उनकी काबिलियत पर नहीं बल्कि उनके पिता लालू और माता राबड़ी देवी के कारण मिला था। उन्होंने कहा कि जिस समय उन्हें यह पुरस्कार मिला था, उस समय उनकी उम्र 12-13 वर्ष की थी। झारखंड में आयोजित खेल में सात मैच में उन्होंने मात्र 37 रन बनाए थे और एक विकेट लिया था। वर्ष 2003 में उनकी माता राबड़ी देवी बिहार की मुख्यमंत्री थी, उनकी बदौलत उन्हें खेल कीर्ति पुरस्कार मिला। देखा जाए तो पूरा खेल के क्षेत्र में घाल-मेल किया गया।

जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने तेजस्वी की शिक्षा से लेकर खेल तक कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरासत भी उन्हें अपने पिता लालू प्रसाद यादव की वजह से मिली है। लालू यादव तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने के लिए घूमते फिर रहे हैं, अगर वे ना रहे तो इनकी औकात कुछ भी नहीं है। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी के पिता लालू यादव जब रेल मंत्री थे, तो दिल्ली से एक बड़े से होटल से रेलवे के कई टेंडर दिए जाते थे। इस वजह से भी उन्हें आईपीएल में रखा गया था। नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी कितने होनहार हैं, यह समझ जा सकता है। नियमों को ताक पर रखकर खेल कीर्ति पुरस्कार दिया गया। वहीं एक अन्य खिलाड़ी को भी मनमाने तरीके से कई मैच में खेलने का मौका दिया गया, जो मानसिक रूप से दिव्यांग था। देखा जाए तो माता-पिता के बदौलत तेजस्वी को खेल कीर्ति पुरस्कार मिला और आईपीएल में भी खेलने का मौका मिला, लेकिन जैसे ही लालू यादव रेल मंत्री से हटे, इन्हें भी बैक टू पवेलियन हो जाना पड़ा।वहीं तेजस्वी यादव का नीतीश कुमार पर विकास को लेकर हमला के सवाल पर उन्होंने कहा कि फुलवरिया गांव में विकास हम ही किए हैं। उनके गांव में जो गली है और महुआ बाग में जो किला बन रहा है, वह रोड नीतीश कुमार ही बनाए हैं। तेजस्वी यादव की माता राबड़ी देवी जिन्होंने अपने कार्यकाल में जहां नौकरी के बदले जमीन लिए, उस मायके का भी विकास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही किये हैं।

अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार से रोका जाए : भूपेन्द्र यादव

» आप प्रमुख के बयान के खिलाफ ईसी पहुंची बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव के बीच यमुना जल मुद्दे को लेकर सियासत तेज है। बीजेपी प्रतिनिधिमंडल ने आज चुनाव आयोग से मुलाकात की है। मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली की चुनावी राजनीति में बीजेपी लगातार जीत की ओर बढ़ रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता इसे लेकर बहुत चिंतित हैं और वे लोगों के मन में अराजकता और अनावश्यक भय पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। वे एक नये निचले स्तर पर गिर गये हैं। यह एमसीसी और चुनाव प्रथाओं का स्पष्ट उल्लंघन है।

भाजपा नेता ने कहा कि हमने अरविंद केजरीवाल के भाषण का वह हिस्सा प्रस्तुत किया है जहां उन्होंने हरियाणा पर दिल्ली को आपूर्ति किए जा रहे पानी में जहर मिलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने अपने भाषण में जिन द्वेषपूर्ण, विनाशकारी और अलगाववादी शब्दों का इस्तेमाल किया, वे एमसीसी का स्पष्ट उल्लंघन हैं। भूपेन्द्र यादव ने दावा किया कि चुनाव आयोग ने हमारी चिंताओं का संज्ञान लिया है। हमने चुनाव आयोग से इस मामले में कार्रवाई करने का आग्रह किया है।केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हम दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा दिए गए बेहद अनुचित, गैर-जिम्मेदाराना और एमसीसी के उल्लंघन वाले बयान पर विरोध करने और चुनाव आयोग को अपनी याचिका सौंपने आए थे। यह बहुत ही खतरनाक बयान है। यह बयान उनके अलावा सभी के लिए खतरनाक था, जो स्वयंभू अराजकतावादी हैं।

वक्फ समिति अपनी सिफारिशें व संशोधित विधेयक को स्वीकार करेगी : जगदंबिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा है कि समिति की मसौदा रिपोर्ट और संशोधित विधेयक को बुधवार को होने वाली बैठक में स्वीकार किया जाएगा।

उन्होंने बातचीत में यह टिप्पणी तब की जब वह समिति की संभवतः आखिरी बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक से पहले, कई विपक्षी सांसद अपने एजेंडे पर चर्चा करने के लिए मिले क्योंकि उनमें से कई समिति की सिफारिशों के खिलाफ अपनी असहमति का नोट देने की तैयारी कर रहे हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू द्वारा लोकसभा में पेश किए जाने के बाद 8 अगस्त, 2024 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया था। विधेयक का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों को विनियमित और प्रबंधित करने से जुड़े मुद्दों और चुनौतियों का समाधान करने के लिए वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करना है।

दिल्ली चुनाव में ईसी व कोर्ट की एंट्री!

कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के खिलाफ खोला मोर्चा

» यमुना की पानी को लेकर आप व भाजपा में रार

» आप के समर्थन में आए अजमल व शत्रुघ्न सिन्हा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विस चुनाव की वोटिंग की तारीख जैसे-जैसे करीब आ रही है वहां के प्रचार में नेताओं के तल्ख बोलों के साथ-साथ एक दूसरे पर वार-पलटवार में भी तेजी आ गई है। सभी सियासी दलों के लोकलुभाव चुनावी वादों के बाद अब बिजली व पानी को लेकर भाजपा व आप में तकरार चालू हो गया है। मामला इतना संजीदा हो गया है कि जहां आप ने चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की है तो भाजपा ने आरोपों को लेकर कोर्ट जाने की धमकी दे दी है।

उधर आप पर जहां भाजपा व कांग्रेस हमलावर है वहीं टीएमसी, सपा व असम के कुछ नेता आप के समर्थन में उतर आए हैं। आसनसोल से टीएमसी सांसद सिन्हा 1 और 2 फरवरी को कम से कम तीन निर्वाचन क्षेत्रों में आप के लिए प्रचार करेंगे। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र, मुख्यमंत्री आतिशी का कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र और मनीष सिसोदिया का जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। सूत्र ने कहा कि एक या दो औरटीएमसी नेता दिल्ली में चुनाव प्रचार में शामिल हो सकते हैं। टीएमसी ने दिल्ली चुनाव के लिए आप को समर्थन दिया था, जहां भाजपा और कांग्रेस भी मैदान में हैं, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।

बीजेपी ने भी ठोंकी ताल

बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आज एआईयूडीएफ नेता मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने कहा है कि दिल्ली की जनता को धर्मनिरपेक्ष आम आदमी पार्टी को वोट देना चाहिए जिसके साथ अखिलेश यादव खड़े हैं। उन्होंने कहा कि मैं देश और दिल्ली की जनता को बताना चाहता हूं कि मौलाना बदरुद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीएफ को बांग्लादेशी घुसपैठियों का समर्थन करने वाली पार्टी माना जाता है। बदरुद्दीन अजमल का सीधे तौर पर अखिलेश यादव और आम आदमी पार्टी को समर्थन देने का आह्वान दिखाता है कि अब सच्चाई सामने आ गई है।

केजरीवाल पर मानहानि का केस करेंगे सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे, क्योंकि केजरीवाल ने दावा किया था कि हरियाणा सरकार औद्योगिक कचरा डालकर यमुना के पानी को जहरीला बना रही है। इस बीच, भाजपा केजरीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए भारत के चुनाव आयोग (ईसी) का दौरा भी करेगी। इससे पहले सीएम सैनी ने केजरीवाल को आरोप लगाने के बजाय शासन पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को आरोप लगाने और भागने की आदत है। वह (अरविंद केजरीवाल) अमोनिया के बारे में बात करते हैं। वह पानी की कमी का दावा करते हैं। लेकिन कोई कमी नहीं है। सैनी ने कहा कि वितरण प्रणाली में एक मुद्दा है। वह 10 वर्षों में पानी के वितरण का प्रबंधन नहीं कर सकते, हालांकि उन्होंने इसका

वादा किया था, फिर भी लोगों को प्रदूषित पानी मिल रहा है। सैनी ने कहा कि आरोप लगाना और फिर भाग जाना उनका (अरविंद केजरीवाल) स्वभाव और सोच है। एक कहावत है। मैंने कहा कि आप अपने मुख्य सचिव को भेजें और मैं अपने मुख्य सचिव से सोनीपत में पानी की गुणवत्ता की जांच करने के लिए कहूंगा जहां से यह (यमुना) दिल्ली में प्रवेश कर रही है। हरियाणा सरकार में मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि वे अपने मुख्य सचिव या मुख्य अभियंता को भेजकर दिल्ली भेजे जा रहे पानी का परीक्षण करा सकते हैं, उसके बाद ही उन्हें कुछ कहना चाहिए।

आतिशी ने चुनाव आयोग से लगाई गुहार

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने हरियाणा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राष्ट्रीय राजधानी में पेयजल की आपूर्ति के स्रोत यमुना नदी में जानबूझकर औद्योगिक कचरा बहाने का सोमवार को आरोप लगाया और इसे 'जल आतंकवाद' की संज्ञा दी। उसके बाद आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा नदी में 'जहर' मिलाकर लोगों को मारने की कोशिश कर रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखा है। आतिशी ने मुख्य चुनाव आयुक्त लिखे पत्र आरोप लगाया कि भाजपा उम्मीदवार अपनी तथाकथित योजना के लिए महिलाओं का रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी महिलाओं को नकदी वितरित करने और घर और जमीन का अधिकार देने का वादा कर रहे हैं। आतिशी ने

कहा कि यह गतिविधियां खुलेआम आचार संहिता के दिशा निर्देशों का उल्लंघन करती हैं। आतिशी ने इसको लेकर चुनाव आयोग से तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। आतिशी ने कहा कि अगर चुनाव आयोग अगले 24 घंटों के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं करता है तो यह माना जाएगा कि भाजपा की गतिविधियों को कानूनी तौर पर छूट दी गई है। इसके बाद फिर हम अपनी महिला सम्मान योजना और संजीवनी योजना के लिए पंजीकरण भी फिर से शुरू करेंगे।

देश की हालत बहुत खराब : बदरुद्दीन अजमल

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर जारी प्रचार के बीच मुस्लिम नेता और एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल का बड़ा बयान सामने आया है। बदरुद्दीन अजमल ने दिल्ली चुनाव में मुस्लिमों से आम आदमी पार्टी के पक्ष में वोट डालने की अपील की है। उन्होंने कहा कि देश की हालत बहुत खराब है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल को फिर से सरकार बनाने का मौका दीजिए। बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि पिछले दिनों के काम को लोगों ने बहुत सराहा है, दो बार लोग उन्हें जीता चुके हैं। पूर्व सांसद ने दिल्ली के तमाम सेक्युलर मतदाताओं से गुजारिश करते हुए कहा कि मेहरबानी कर मुल्क के हालात बहुत खराब होते जा रहे हैं और खराब हो भी चुके हैं। इसलिए अपने सेक्युलर वोटों को न

बंटने दें और न बांटने दें। आपने सारे वोट जमकर आम आदमी पार्टी को दीजिए। बदरुद्दीन ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सीएम बनकर आपके काम कर सकें। इसलिए उन्हें फिर से सरकार बनाने का मौका दीजिए। अब इसी को लेकर भाजपा हमलावर हो गई है।

केजरीवाल और सिसोदिया के पक्ष में प्रचार करेंगे शत्रुघ्न सिन्हा

तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा 5 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। पार्टी सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। एक उच्च पदस्थ सूत्र के अनुसार, आसनसोल से टीएमसी सांसद सिन्हा 1 और 2 फरवरी को कम से कम तीन निर्वाचन क्षेत्रों मे आप के लिए प्रचार करेंगे। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र, मुख्यमंत्री आतिशी का कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र और मनीष सिसोदिया का जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। टीएमसी का मानना है कि अभिनेता से नेता बने, जो बिहार से हैं, दिल्ली के पूर्वांचली मतदाताओं को एकजुट कर सकते हैं, यह शब्द बिहार और उत्तर प्रदेश

के प्रवासियों को संदर्भित करता है। शहर में पूर्वांचली एक प्रभावशाली मतदाता हैं। टीएमसी और आप इंडिया ब्लॉक का हिस्सा हैं, जिसकी सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस है। टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी न केवल भाजपा बल्कि कांग्रेस के खिलाफ भी अभियान चलाएगी - जो विपक्षी गठबंधन के भीतर बढ़ती दरार को दर्शाता है। टीएमसी नेता ने कहा,हमने हमेशा कहा है कि हर राज्य में सबसे मजबूत पार्टी को नेतृत्व करना चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में विधानसभा चुनाव के लिए कोई चुनावी गठबंधन नहीं बनाया गया है। जबकि पिछले साल दिल्ली में लोकसभा चुनाव के दौरान आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन था, लेकिन भाजपा ने सभी सात सीटें हासिल कीं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बेहतर नियोजन से रूक सकती हैं दुर्घटनाएं

दुनिया और देश दोनों स्तर पर दुर्घटनाएं लोगों के दुख-दर्द का एक बहुत बड़ा कारण हैं, फिर चाहे यह सड़क दुर्घटनाएं हों, अग्निकांड हों या अन्य दुर्घटनाएं। दूसरी ओर अनेक अध्ययन यह भी बता रहे हैं कि यदि सही नियोजन व पूरी प्रतिबद्धता से प्रयास किए जाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या को काफी तेजी से कम किया जा सकता है।

अभी हाल ही में अमेरिका के लॉसएंजेलिस की जंगलों में भीषण आग लगी हुई है। इस अग्निकांड से सबसे ज्यादा हालीवुड को नुकसान हुआ। ये खबरें दुनिया भर में खूब छाई रहीं। एक्सपर्ट ने कहा कि अगर पूरी दुनिया में इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यूनाईटेड नेशन ऑर्गेनाइजेशन को भी ध्यान देना होगा। यूएनओ को कुछ ऐसी प्रणाली विकसित करनी होगी जिससे इन घटनाओं में कमी लाई जा सके। दुनिया और देश दोनों स्तर पर दुर्घटनाएं लोगों के दुख-दर्द का एक बहुत बड़ा कारण हैं, फिर चाहे यह सड़क दुर्घटनाएं हों, अग्निकांड हों या अन्य दुर्घटनाएं। दूसरी ओर अनेक अध्ययन यह भी बता रहे हैं कि यदि सही नियोजन व पूरी प्रतिबद्धता से प्रयास किए जाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या को काफी तेजी से कम किया जा सकता है। हाल ही में प्रकाशित एक पुस्तक 'वाय एक्सीडेंट्स आर रेयरली एक्सीडेंटल' ने अधिकांश लोगों के जीवन के इस अनुभव को अनेक तथ्यों और प्रमाणों के साथ प्रस्तुत किया है।

इस पुस्तक का शीर्षक ही बहुत कुछ कह जाता है- कम 'दुर्घटनाएं' ही दुर्घटनावश होती हैं। यानी जिसे हम किस्मत का खेल मान बैठे हैं उन दुर्घटनाओं में से अधिकांश पर वास्तव में मनुष्य का नियंत्रण होता है और हम समय रहते कार्यवाही करें तो बहुमूल्य मानव जीवन व संपत्ति की क्षति रोकी जा सकती है। इस पुस्तक के लेखकों का कहना है कि बेहतर नियोजन, मेहनत व जोखिम के प्रति चौकन्ने बने रहने से दुर्घटनाओं व उनके दुष्परिणामों को बहुत कम किया जा सकता है। इस पुस्तक में दिए गए अनेक उदाहरणों का आकलन भी यही बताता है कि जहां आरंभिक चेतावनियों पर ध्यान न देकर सुरक्षा को ताक पर रखा गया वहां गंभीर दुर्घटनाएं हुईं जबकि जहां आरंभ में सुरक्षा पर ध्यान दिया गया वहां 'दुर्घटनाओं' को टाला जा सका। दुख-दर्द कम करने का एक बड़ा जरिया है दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करना। इसके साथ दुर्घटना हो जाने पर जीवन रक्षा की संभावना को मजबूत करना भी जरूरी है। इन दो उपायों से प्रतिवर्ष लाखों जीवन बचाए जा सकते हैं और इससे कहीं अधिक लोगों को बहुत कष्टदायक रूप से घायल होने, दीर्घकालीन शारीरिक-मानसिक क्षति तथा अपंगता से बचाया जा सकता है। हालांकि विभिन्न तरह की दुर्घटनाओं से बचाव के लिए अलग-अलग तरह के प्रयास जरूरी हैं, पर कुछ सामान्य महत्व के कदम ऐसे हैं जो सब तरह की दुर्घटनाओं की क्षति कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। जीवन के सभी क्षेत्रों में जरूरी सावधानियों व सुरक्षा के नियमों को अपनाने की जागरूकता को बढ़ाना ऐसा ही एक कार्य है। दुर्घटना से घायल जहां भी हो जो भी हों, उन्हें तुरंत जरूरी प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाना व सही तौर-तरीकों से अस्पतालों में पहुंचाना एक अन्य महत्वपूर्ण जरूरत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बाजार का हथियार पर अपनों से लाचार

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों दस जनवरी को मनाए जाने वाले विश्व हिंदी दिवस के मौके पर जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में दुनियाभर में फैलती हिंदी, बाजार की भाषा बनती हिंदी, विश्व के डेढ़ सौ से अधिक विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जाने वाली हिंदी के विभिन्न पहलुओं पर मंथन हुआ। वक्ताओं का कहना था कि अगर हिंदी और उसकी बहन उर्दू को जोड़ लिया जाए, तो यह विश्व की तीसरे नम्बर की भाषा होगी। यह भी कि यू-ट्यूब पर भी हिंदी दुनिया की चौथे नम्बर की भाषा है। विडंबना है कि अपने देश में हिंदी और उसके बोलने वालों की भारी उपेक्षा है। हिंदी को हमेशा दोयम दर्ज की भाषा माना जाता है। अगर अंगरेजी नहीं आती, तो आप सफल नहीं हो सकते। नौकरी पाने के लिए यह अपने देश की सच्चाई है। जबकि अपने देश में साठ करोड़ के आसपास लोग हिंदी बोलते, समझते, लिख-पढ़ सकते हैं। जब नेतागण एक-एक वोट का हिसाब लगाते हैं, तो ये साठ करोड़ लोग क्यों नहीं दिखते।

क्या इनके वोट की कोई कीमत नहीं। लोकसभा में आधी से अधिक सीटें हिंदी भाषी क्षेत्रों से आती हैं। लोकसभा की कार्यवाहियों का हिंदी में लाइव प्रसारण भी होता है। बड़े विज्ञापनदाता अपने -अपने उत्पाद का विज्ञापन हिंदी में कराना चाहते हैं। सारे बड़े चैनल्स हिंदी में हैं। तमाम दक्षिण भारतीय फिल्में हिंदी में डब की जाती हैं और भारी मुनाफा और दर्शक जुटाती हैं। दक्षिण की तमाम हीरोइंस -हीरो हिंदी फिल्मों में काम करना चाहते हैं। लेकिन दक्षिण की राजनीति देखिए कि हिंदी के नाम पर हिंदी भाषी लोगों को चाहे जब खदेड़ दिया जाता है। हिंदी साम्राज्यवादी है, यह कहकर हजारों लोगों के रोजगार छीनकर, उन्हें रातोंरात भगा दिया जाता है। अफसोस मीडिया में, साहित्य में इन के विस्थापन के विरोध में एक शब्द सुनाई नहीं देता है। आखिर क्यों। एक बार मशहूर बांग्ला लेखिका महाश्वेता देवी ने कहा था कि जब उनकी पुस्तकों का अनुवाद हिंदी में हुआ, तब उन्हें पूरे भारत भर में प्रसिद्धि मिली। पहले हिंदी फिल्मों में काम करने वाले अभिनेता-अभिनेत्रियां हिंदी बोलना अपनी हैसियत से नीचा समझते थे।

लेकिन अब नई पीढी के अभिनेता-अभिनेत्रियां, अपनी हिंदी सुधारने के लिए विशेष ट्रेनिंग ले रहे हैं। सारा अली खान ने एक इंटरव्यू में कहा था कि हिंदी फिल्मों में आने के लिए सबसे पहले मैंने अपनी हिंदी को सुधारा। जिन अमिताभ बच्चन को सदी का महानायक कहा

जाता है , वह हिंदी बोलने में गौरव महसूस करते हैं। एक बार सैफ अली खान ने कहा था कि उन्हें अमिताभ बच्चन की हिंदी से रश्क होता है। लेखिका की घरेलू सहायिका तमिलनाडु की है। वह अरसे से दिल्ली में रहती है। कई साल पहले, उसने बारहवीं पास कराकर अपनी लड़की की शादी तमिलनाडु के दूर-दराज गांव में कर दी। कुछ ही महीने बाद उसने बताया कि उसकी लड़की की गांव के स्कूल में नौकरी लग गई है। यह आश्चर्य की बात थी, आखिर इन दिनों बारहवीं पास को कहां नौकरी मिलती है। पूछने पर उसने कहा कि लड़की स्कूल में हिंदी पढ़ाती है। हिंदी, क्या वहां लोग हिंदी सीखना चाहते हैं। उसने कहा -हां। क्योंकि दक्षिण में रोजगार नहीं है। वे हिंदी भाषी क्षेत्रों में आना चाहते हैं। इसलिए माता-पिता अपने बच्चों को हिंदी सिखाना चाहते हैं। फिर अगले किसी साल उसने खुश होते हुए बताया कि पहले तो उसकी लड़की को पांच हजार रुपये ही मिलते थे, मगर अब दस हजार कमाने लगी है और बहुत खुश है। लेकिन जब भी चुनाव आते हैं, हिंदी विरोध का झंडा उठा लिया जाता है। एक बार मैसूर के एक कलेक्टर ने सड़कों पर हिंदी में भी नाम लिखवा दिए थे, जिससे हिंदी भाषी लोग जब इन इलाकों में जाएं, तो सुविधा हो सके। इस बात का यह कहकर भारी विरोध किया गया था कि कर्नाटक के लोगों पर हिंदी लादी जा रही है। एक बार चेन्नई से पांडिचेरी तक टैक्सी से गई थी। रास्ते भर सड़क के किनारे हर उस जगह पर कालिख पोती गई थी, जहां हिंदी में कुछ भी लिखा था। गांव का नाम या कुछ और। कुछ साल पहले एक और खबर पर नजर पड़ी थी कि बांग्ला भाषी काम-काजी लोग, जब दक्षिण में कम-काज के सिलसिले में जाते हैं, तो वे वहां हिंदी बोलते हैं, क्योंकि वहां लोग हिंदी समझते हैं।

लेकिन यहां इस सच्चाई को भी स्वीकार करना चाहिए कि हिंदी की दुर्दशा में हिंदी भाषी लोगों का कोई कम योगदान नहीं है। जैसे ही हम किसी बड़े पद पर पहुंचते हैं, हिंदी हमारे शब्दकोश से गायब हो जाती है। हम हिंदी बोलने वाले, उसे बरतने वाले नहीं दिखना चाहते। आखिर हिंदी भाषी लोग यह कहकर कि उनकी हिंदी अच्छी नहीं है, कि वे हिंदी नहीं जानते, इसमें इतना गौरव क्यों महसूस करते हैं। यदि आप विदेश जाते हैं, तो यह आपकी समस्या है कि आपको उनकी भाषा नहीं आती। आप उसे सीखें, तभी वहां काम कर सकते हैं। मगर हम हिंदी के लोग इसी बात में शर्मिंदा होते हैं कि हाय लोग क्या कहेंगे।

लड़ाई-लड़ाई जपने से बेहतर सुलह का जाप

ज्योति मल्होत्रा

वैश्विक राजनीति के तेजी से बदलते परिदृश्य के बीच, गत सप्ताह बहुत कुछ घटा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टीवी चैनल फॉक्स न्यूज को बताया कि उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह से ठीक पहले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से 'टिकटॉक, व्यापार और ताइवान' को लेकर बात की थी और यह बातचीत दोस्ताना रही। अब हम जानते हैं कि ट्रम्प ने जिनपिंग को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने खुद न जाकर अपने उपराष्ट्रपति हान झेंग को भेजा। इतना ही नहीं, उसके बाद से ट्रंप ने टिकटॉक पर प्रतिबंध के अलावा चीनी आयात पर प्रस्तावित अतिरिक्त शुल्क लगाना (60 प्रतिशत की उच्च दर तक) स्थगित कर दिया है।

हम यह भी जानते हैं कि शपथ ग्रहण समारोह की पूर्व संध्या तक वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारी ट्रम्प की ट्रांजिशन टीम से प्रधानमंत्री मोदी को भी आमंत्रित करने का अनुरोध करते रहे। लेकिन ट्रम्प के लोगों ने यह कहते हुए टालमटोल की कि पहले ही बहुत कुछ हो रहा है और अब पर्याप्त समय भी नहीं बचा - कुछ ऐसा ही बहाना। इसके बजाय, उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर को उस दोपहर हुए पूरे समारोह में पहली पंक्ति में जगह दी (हान झेंग कहां बैठे, कोई नहीं जानता)। अमेरिकियों को इस बात का अच्छी तरह अहसास है कि किसी भी विदेश नीति की सफलता में 'कोई धारणा बनाने ' का हिस्सा आधा होता है, इसलिए उन्होंने अगले दिन क्वाड मीटिंग का आयोजन भी किया - इससे चीनियों को संदेश दिया है कि आप भले ही हम से मुकाबला करने की सोच रहे हैं,लेकिन हमारे साथ भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान भी हैं। सभी के लिए, खासकर भारत के लिए, बड़ा संदेश यह है कि 'नए' अमेरिका को किसी से भी बात करने में कोई गुरेज नहीं है -अतएव,हमारे लिए भी अपने अड़ोस-पड़ोस पर नज़र डालनी और विचार करना वाजिब होगा कि महाकुंभ में गंगा के प्रवाह से भी अधिक तेजी से कैसे देश अपने दोस्त बदल रहे हैं।

एक महीना पहले तक, यही ट्रम्प जिनपिंग को राह पर आने या नतीज़ा भुगतने की धमकियां दे रहे थे - लेकिन अब स्याम देश की बिल्ली की तरह 'गुर्रा' रहे हैं। यही नहीं, पिछले सप्ताह की शुरुआत में, 2009 के बाद से पहली बार पाकिस्तान के आईएसआई प्रतिष्ठान की एक टीम बांग्लादेश के लिए रवाना हुई, इसके कुछ दिन पहले बांग्लादेश सशस्त्र बल के मुखिया लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कमरुल हसन के नेतृत्व में बांग्लादेशी सैन्य प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंचा था। इस तमाम मंथन के बीच, एकमात्र रिश्ता जो दृढ़ बना हुआ है, वह है जिसे पाकिस्तान और चीन 'पहाड़ों से भी ऊंचा, समुद्र से भी गहरा और शहद से भी मीठा' संबंध बताते हैं यानि दोनों के बीच यारी। तो जब आप पृथ्वी को अपनी धुरी पर घूमते हुए देखें तो वहीं पुरानी वफ़ादारी के छिटककर टूटने और नई वफ़ादारियां बनने वाले रोमांच को भी महसूस करें। यह वही है जैसे पंजाब में आप लोहड़ी पर पुरानी और अवांछित लकड़ी को अलाव में डाल देते हैं, जब मकर संक्रांति के दिन माघ का महीना शुरू होता है, और एक नया जीवन-पथ आपकी बाट जोह रहा होता है।

जरा देखिए तो, माघ ने अब तक दुनिया को क्या-क्या संकेत दिए हैं = अमेरिका और चीन के बीच नई दोस्ती, चीन-पाकिस्तान के बीच पुराने संबंधों का अक्षुण्ण बने रहना और साथ ही पाकिस्तान-बांग्लादेश के बीच एक असामान्य घनिष्ठता - आखिरकार, एक समय वे एक ही मुल्क का हिस्सा थे, जब तक कि 1971 में उनकी दुनिया बदल नहीं गई और एक नए राष्ट्र का जन्म नहीं हुआ। अब दुनिया फिर से बदल रही है। यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश की प्रभारी अब आईएसआई होगी। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस एक ऐसा मुखौटा साबित हुए हैं, जिसने 'रक्षक' वाली अपनी भूमिका बखूबी निभाई है - इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनका अगला कदम क्या और कब होगा, एक बार फिर दक्षिण एशिया की राजनीतिक बिसात पर शुरू हुए नए महान खेल में नवीनतम दौर को पाकिस्तान ने जीत लिया है। बांग्लादेश में भारत को भले ही कुछ धक्का लगा है -लेकिन एक तरह से यह अच्छा है कि वह अपने पुराने मित्र यानि शेख हसीना का साथ निभा रहा है। और चूंकि आईएसआई की ढाका में वापसी हो गई है, इसलिए आप इस पर शर्त लगा सकते हैं कि भारत के उत्तर-पूर्व को अस्थिर करने के प्रयास का इस क्षेत्र में नया खेल होगा। याद रहे कि मणिपुर लगभग दो वर्षों के बाद भी हिंसा की त्रासदी से जूझ रहा है, कि असम में भी स्थिति चिंताजनक है, कि मिजोरम को भी शांत नहीं कह सकते -यह भी कि बांग्लादेश बगल में है।

इसलिए गणतंत्र दिवस के दिन जब विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बीजिंग के लिए उड़ान भरी- इस प्रतीकात्मकता की विवेचना किसी और दिन के लिए रखते हुए - तथ्य यह है कि हाल ही में रूस के कज़ान में मोदी-जिनपिंग गले मिले थे, जिसके पीछे निस्संदेह मध्यस्थता रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की रही, फलस्वरूप भारत और चीन, दोनों के लिए, लंबे समय से चले आ रहे अपने क्षेत्रीय विवादों पर बातचीत की शृंखला को फिर शुरू करना आसान हुआ। यह एक अच्छी बात है। 'लड़ाई-लड़ाई' करने की तुलना में 'बात-बात' बेहतर है, खासकर जब आप भारत और चीन के बीच भारी सैन्य अंतर को ध्यान में रखें। इसलिए नई बनी सहमति ने भारतीय सैनिकों का उस इलाके में फिर से गश्त लगाना संभव बनाया है, जहां वे अप्रैल 2020 के बाद से जा नहीं पाए थे।

बच्चों का सर्दियों में रखें खास ख्याल

बीमारियों से दूर रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

बदलता मौसम और तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव सामान्य तौर पर शरीर के लिए दिक्कतें पैदा करता है। उसपर आजकल कभी भी होने वाली बारिश स्थिति को और भी चुनौती से भरा बना देती है। वयस्कों के लिए ही यह मौसम कई शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है। ऐसे में छोटे बच्चों पर तो इसका असर और भी ज्यादा हो सकता है। 0-6 साल की उम्र के बच्चे जो इस तरह के मौसम का पहली बार सामना कर रहे होते हैं, उनका खास ख्याल रखना जरूरी होता है। अक्सर माता-पिता यह समझ नहीं पाते कि ठंड के मौसम में बच्चों को किस तरह के कपड़े पहनाए रखे जाने चाहिए। वे या तो बहुत सारे कपड़े पहना देते हैं या फिर कई बार सामान्य पतले कपड़ों में ही बच्चे को रहने देते हैं। ये दोनों ही स्थितियां बच्चे के हिसाब से मुश्किल खड़ी कर सकती हैं। जन्म के पहले बच्चा मां के भीतर एक सुरक्षित और आरामदायक कवच में रहता है। नौ महीने तक यही उसकी आदत में होता है। जब वह बाहर आता है तो उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती ही बाहर के वातावरण से सामंजस्य बैठाने की होती है। उसका शरीर धीरे-धीरे इस बाहरी वातावरण को अडॉप्ट करता है। इसलिए जन्म से कम से कम 6 माह तक बच्चों को इस मौसम में सुरक्षित रखना जरूरी है।

अचानक बदलता मौसम

ठंडी और रूखी हवा, रात में और सुबह अचानक तापमान का गिरना, दिन की तीखी धूप और अचानक हो जाने वाली बारिश। ये सब कुछ सर्दियों में हो सकता है और पिछले कुछ सालों में तो मौसम का यह बदलाव और भी तीव्र हो गया है। आजकल ज्यादातर पैरेंट्स सिंगल फैमिली के रूप में रहते हैं ऐसे में उन्हें असरदार पारंपरिक नुस्खे बताने वाला भी कोई नही होता। उसपर छोटे से बच्चे और उसकी देखभाल को लेकर पहले ही उनके मन में कई सवाल चल रहे होते हैं।

बच्चे को होने वाली समस्याएं

ठंड के मौसम में केवल सर्दी-जुकाम ही नहीं है जो बच्चों को परेशान कर सकता है। इसके अलावा बुखार, उल्टी, दस्त, स्किन इंफेक्शन या रैशेज और फुंसियां, पेट दर्द, ड्राय कफ, डिहाइड्रेशन, निमोनिया, वायरल इंफेक्शन और कुछ मामलों में सडन इन्फेंट डेथ सिंड्रोम के शिकार भी बच्चे हो सकते हैं। सडन इन्फेंट डेथ सिंड्रोम की स्थिति जरूरत से ज्यादा कपड़े में बच्चे को लाद देने से हो सकती है। इसके अलावा शरीर के टेम्परेचर का एकदम घट जाना यानी हाइपोथर्मिया की स्थिति भी बन सकती है। कई बार बहुत तेज धूप बच्चे को सूरज की हानिकारक किरणों से होने वाले नुकसान भी दे सकती है।

जब हो जाए बच्चा बीमार

तमाम सावधानियों के बावजूद कई बार बच्चे पर मौसम का असर हो सकता है या किसी और से बच्चे तक संक्रमण आ सकता है। ऐसे में सर्दी-जुकाम होने पर भी बच्चे को पर्याप्त मात्रा में लिक्विड देते रहें। इसके लिए डॉक्टर की सलाह लें। मां का दूध इस समय भी जारी रखा जा सकता है। छह महीने के बच्चे को तो आप दाल का पानी या मैश किये हुए फल आदि भी दे सकते हैं। अगर कोई फॉर्मूला यूज कर रहे हैं तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें। हीटर जैसे किसी भी साधन का उपयोग बहुत जरूरी होने पर ही करें। बच्चे के सिर सहित पूरे शरीर की हलके हाथों से की गई मालिश उसकी स्किन को मॉइश्चर से भरपूर रखती है। साथ ही ब्लड सर्कुलेशन को भी सही रखती है। इससे बच्चे को नींद भी अच्छी आती है और उसका पूरा विकास होता है। मालिश के बाद कुछ देर बच्चे को हल्की धूप में जरूर ले जाएं। इसके बाद साबुन रहित गुनगुने पानी से नहला दें। मालिश के लिए इस मौसम में सरसों का तेल सबसे अच्छा होता है।

सुरक्षा रखें लेकिन इतनी नहीं

ठंड से बच्चों का बचाव करने का सबसे आम तरीका होता है ढेर सारे गर्म कपड़े बच्चे को पहना देना। साधारण कपड़ों के ऊपर गर्म या ऊनी कपड़े, टोपी, मोजे और कुछ मामलों में तो डबल मोजे, बच्चे को पहना दिए जाते हैं। गर्म कपड़े सर्दियों में बच्चे को सुरक्षित रखते हैं लेकिन ज्यादा कपड़े उसके लिए दिक्कत भी पैदा कर सकते हैं। जरूरी यह है कि बच्चे के लिए कपड़ों की सही लेयर के साथ उसकी नियमित पोषक खुराक और मालिश आदि जैसी सभी चीजों को भी ध्यान में रखा जाए। बच्चे को कड़क और चुभने वाले कपड़ों की जगह नरम कपड़ों की तीन लेयर पहनाएं। इसमें बनियान या शमीज जैसा कोई कपड़ा, एक पूरी बांहों का कोई टीशर्ट या ऊपरी कपड़ा और एक सॉफ्ट पजामा या ज्यादा ठंड हो तो वार्मर और एक स्वेटर पहनाएं। दिन में और रात में सोते समय हल्के कपड़े ही पहने रहने दें। स्वेटर और मोजे, टोपी आदि उतार दें। क्योंकि यदि बच्चे को पसीना आयेगा तो उसमें ठंडी हवा लगना तकलीफ दे सकता है। कोशिश करें कि बच्चे को मच्छरदानी में ही सुलाएं। इससे मच्छर और ठंड दोनो से उसका बचाव हो सकेगा। जब आप बच्चे को घर से बाहर ले जाएं तो कार में भी तेज हीटर न चलाएं। अगर बाहर तेज ठंड है तो बच्चे को स्वेटर, टोपी, मोजे आदि पहनाएं।

हंसना मना है

सरकार का नया रूल, जिसके 5 बच्चे हो उसे घर मिलेगा। पप्पू के 3 थे उसने वाईफ से कहा, पड़ोस के 2 मेरे हैं उनको लेके आता हूं! (लाने के बाद) पप्पू : अपने 3 कहां गए? वाईफ : जिसके थे वह ले गया।

बेटा- पापा आप रात को मम्मी के साथ क्यूं सोते हो? पापा-बेटा इससे आपस में प्यार बढ़ता है, बेटा- पापा उल्लू मत बनाओ, साथ सोने से प्यार नही परिवार बढ़ता है।

2 दोस्त सालों के बाद मिले, पता चला दोनों कि शादी हो गयी, पहला दोस्त : कैसी है तुम्हारी वाईफ? दूसरा दोस्त : स्वर्ग की अप्सरा है, और तेरी? पहला दोस्त : मेरी तो अभी ज़िंदा है!

टीचर : इतने दिन से कहां थे? लड़का : बर्ड फ्लू हुआ था, टीचर : पर ये तो बर्ड्स को होता है? लड़का : आपने मुझे इंसान समझा ही कहां है, रोज तो मुर्गा बना देती हो।

एक बार भगवान ने एक आदमी से सवाल किया तेरी ईच्छा क्या है, आदमी बोला प्लीज मुझे मेरे कॉलेज के दिन वापस दे दो, भगवान हंसने लगे और कहा- मन्नत मांगने को कहा था जन्नत नहीं!

आदमी- सर, मेरी वाइफ खो गई है, पोस्टमैन : यह पोस्ट ऑफिस है, पुलिस स्टेशन नहीं, आदमी : ओह सॉरी! साला खुशी के मारे कहां जाऊं, कुछ समझ में नहीं आ रहा!

कहानी | अंधेरे का भूत

सोनपुर नाम का एक बड़ा सा गांव हुआ करता था जहां अधिकतर खेतीबाड़ी करने वाले किसान रहा करते थे। वहीं, गांव के पास ही घने जंगलों के बीच पीपल के पेड़ में एक भूत रहा करता था। भूत दिनभर तो गायब रहता, लेकिन रात होते ही वह गांव वालों को खूब परेशान किया करता था। रात होते ही भूत पूरे गांव के चक्कर काटने लगता और कभी किसी के पशुओं को नुकसान पहुंचाता तो किसी किसान को इतना डराता कि वो रातभर सो नहीं पाता। भूत के डर से शाम होते ही गांव में सन्नाटा फैल जाता और रात को कोई भी घर से बाहर नहीं निकला करता था। एक बार भूत से परेशान गांव के लोगों ने एक बहुत बड़े साधू को गांव में बुलाया और उनसे अपनी समस्या का निदान करने के लिए गुजारिश की। गांव वाले साधू को उस पेड़ के पास ले जाते हैं, जहां भूत का वास होता है। साधू अपने जप और तप से भूत को काबू करने की बहुत कोशिश करता है, लेकिन वह उसके हाथ नहीं आता। अंत में साधू भूत पर काबू पाने की युक्ति निकाल लेता है और सब गांव वालों से कहता है कि ये भूत केवल रात के अंधेरे में निकलता है, जिसका अर्थ है कि इसे दिन की रोशनी से डर लगता है और रोशनी के सहारे ही भूत से छुटकारा पाया जा सकता है। साधू की बात सुनकर सभी गांव वाले मिलकर एक योजना बनाते हैं। रात को जब भूत पेड़ से निकलकर गांव में प्रवेश करता है तो किसान हाथों में मशाल लिए चारों ओर उजाला कर देते हैं। रोशनी को देखकर भूत डर जाता है और वापस पेड़ की ओर भाग जाता है। वहीं, गांव वाले भी उसके पीछे-पीछे पेड़ के पास पहुंच जाते हैं। रोशनी में साधू भूत को पेड़ से बांध देता है और फिर गांव वाले भूत को उस पेड़ के साथ ही जला देते हैं। इस तरह से गांव वालों को भूत की समस्या से निजात मिल जाता है।

कहानी से सीख- समस्या चाहे कैसी भी हो, अगर बुद्धि का प्रयोग किया जाए तो उससे राहत मिल सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है।

वृषभ अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे।

मिथुन रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोमांस में सफलता मिलेगी, प्रसन्नता रहेगी। नई योजनाएं बनेंगी।

कर्क आज वरिष्ठ जन आपकी सहायता करेंगे। पुराने रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। महिला वर्ग घर में सतर्कता से कार्य करें।

सिंह तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी।

कन्या चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे।

तुला घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। नौकरी पेशा वर्ग का समय ठीक चलेगा। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

वृश्चिक संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है।

मकर आज दूर से शोक समाचार मिल सकता है। काम में मन नहीं लगेगा। विवाद से बचें। मेहनत अधिक होगी। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें।

कुम्भ घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी। प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें।

मीन पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें। लाभ होगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। आर्थिक अनुकूलता रहेगी।

फिल्म वीडी 12 में प्रभास और रश्मिका मंदाना के साथ जोड़ी जमायेंगे बिग बी

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी कई बहुप्रतीक्षित फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिलहाल अभिनेता वीडी 12 पर काम करने में व्यस्त हैं। इसके अलावा अभिनेता के पास दो और प्रोजेक्ट हैं, जिसमें से एक का निर्देशन राहुल सांकृत्यायन कर रहे हैं और इस फिल्म का अस्थाई नाम वीडी 14 है। हाल ही में फिल्म की सेट पर मुहूर्त पूजा हुई है। वहीं, अब इस फिल्म को लेकर दिलचस्प खबर सामने आई है।

फिल्म को लेकर ताजा चर्चाएं हैं कि वीडी 14 में अमिताभ बच्चन को अहम भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया गया है। अगर ऐसा होता है तो साउथ सुपरस्टार प्रभास के बाद अमिताभ बच्चन इस फिल्म में विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगे। हालांकि, इन खबरों पर निर्माताओं की ओर से आधिकारिक मुहर का इंतजार है।

अगर बिग बी इस प्रोजेक्ट में शामिल होते हैं तो यह प्रोजेक्ट और भी ज्यादा ध्यान आकर्षित करेगा। पिछले साल अमिताभ ने प्रभास की कल्कि 2898 एडी में एक दमदार भूमिका निभाई थी और उनकी मौजूदगी ने इस फिल्म को और दमदार बना दिया था। वहीं, बात करें वीडी 14 की तो निर्माताओं ने फिल्म में रश्मिका मंदाना को मुख्य नायिका के तौर पर लेने की पुष्टि कर दी है। मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित वीडी 14 एक बड़ी फिल्म होगी। फिल्म की नियमित शूटिंग फरवरी में शुरू होगी। फिल्म के पहले शेड्यूल में विजय देवरकोंडा के इंट्रोडक्शन सीन्स की शूटिंग होगी। वहीं, अब फिल्म से अभिनेता के लुक के जारी होने का इंतजार है।

शाहिद और पूजा की इंटीमेट सीन से सेंसरबोर्ड खफा, चली कैंची

पूजा हेगड़े फिल्म इंडस्ट्री में एक जाना-माना नाम हैं। बॉलीवुड के अलावा, वो साउथ की फिल्मों में भी अपना जलवा बिखेर चुकी हैं। उन्होंने कई बड़े सुपरस्टार्स जैसे सलमान खान, प्रभास, ऋतिक रोशन, अल्लू अर्जुन, अक्षय कुमार के साथ काम किया हुआ। उनकी फिल्में साउथ में काफी नाम कमाती हैं, लेकिन बॉलीवुड में उनकी हिट फिल्मों की संख्या कम है।

अब पूजा एक बार फिर हिंदी ऑडियंस को एंटरटेन करने आ रही हैं। वो शाहिद कपूर के साथ फिल्म देवा में नजर आने वाली हैं। फिल्म के ट्रेलर और गानों में पूजा का काम अभी तक जोरदार नजर आ रहा है। अब इस बीच फिल्म से जुड़ी एक बड़ी अपडेट सामने आ रही है। खबर है कि देवा में शाहिद और पूजा का एक इंटीमेट सीन होने वाला है। फिल्म की रिलीज में महज कुछ दिनों का समय बचा है। जिस बीच ये बात सामने आ रही है कि फिल्म में पूजा और शाहिद के इस इंटीमेट सीन से फिल्म सेंसर बोर्ड खफा है। उन्होंने सीन के खिलाफ फिल्म मेकर्स से अपील की है। सूत्रों की माने तो उन्होंने उस सीन से छह सेकंड काट देने की मांग की है। शाहिद और पूजा इस फिल्म से पहली बार बड़े पर्दे पर एकसाथ नजर आने वाले हैं। उनकी फिल्म देवा 31 जनवरी को थिएटर्स में रिलीज होगी। पूजा हेगड़े ने साल 2016 में सुपरस्टार ऋतिक रोशन की फिल्म मोहन जोदारो से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना पहला कदम रखा था। लेकिन उनका हिंदी डेब्यू उतना खास नहीं रहा था। जिसके बाद, उन्होंने साल 2019 में अक्षय कुमार की मल्टी स्टारर फिल्म हाउसफुल 4 में नजर आई थीं। पूजा ने साल 2022 में प्रभास के साथ एक पैन इंडिया फिल्म राधे श्याम में भी काम किया था जो नहीं चल पाई थी।

साल 2022 में आई डायरेक्टर रोहित शेट्टी की कॉमेडी फिल्म सर्कस में भी पूजा ने अहम रोल निभाया था जो फ्लॉप साबित हुई।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं अध्यात्म की वजह से भारत से चली गई थी : ममता कुलकर्णी

पूर्व बॉलीवुड एक्टर ममता कुलकर्णी चर्चा में बनी हुई हैं। वो साध्वी बन गई हैं। ममता के संन्यास लेने के बाद से काफी चर्चा है। ममता को महाकुंभ 2025 में किन्नर अखाड़े का महामंडलेश्वर बनाया गया है। ममता कुलकर्णी हमेशा से काफी खबरों में रही हैं। बॉलीवुड में उन्होंने काफी नेम-फेम पाया। ममता की फिल्मों को फैंस ने काफी पसंद किया था। आइए जानते हैं ममता के फाइनेंशियल बैकग्राउंड के बारे में। ममता कुलकर्णी की नेट वर्थ तकरीबन 85 करोड़ रुपये है। बॉलीवुड से सालों तक दूर रहने के बाद भी वो फाइनेंशियली सिक्योर रही हैं। उन्होंने 2000 में बॉलीवुड छोड़ दिया था और वो अचानक गायब हो गई थीं। वो भारत छोड़कर चली गई थीं। इस बारे में ममता ने बात की थी। ममता ने कहा था, मैं अध्यात्म की वजह से भारत से चली गई थी। मैंने तपस्या शुरू कर दी थी। बॉलीवुड से मुझे नाम और शोहरत मिली। लेकिन फिर साल 2000 से 2012 तक मैं तपस्या करती रहीं। मैं कई सालों तक दुबई में थी। मैं 12 सालों तक ब्रह्मचारी रही। ममता ने 1991 में तमिल फिल्म Nanbargal से डेब्यू किया था। इसके बाद वो मेरा दिल तेरे लिए और तिरंगा में नजर आईं। तिरंगा को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी और साउथ फिल्मों में काम किया। उन्होंने वक्त हमारा है, वादे इरादे,क्रांतिकारी, छुपा रुस्तम, घातक, नसीब, किला, बेकाबू, जीवन युद्ध, चाइना गेट जैसी फिल्में कीं। आखिरी बार ममता कुलकर्णी 2003 में बांग्लादेशी फिल्म Shesh Bongsodhar में देखा गया। इस फिल्म में वो अंतरा के रोल में थीं। इसके बाद उन्होंने कोई फिल्म नहीं की।

10 फीट और 1500 किलो का ये बैल खींचता है ट्रक, देखने के लिए लगती है टिकट

लगावी। भारत एक कृषि प्रधान देश है। किसान अपने जीवन को पशु-पक्षियों के साथ जोड़कर जीते हैं। पारंपरिक खेती में बैल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे, लेकिन आज के वैज्ञानिक युग में नई तकनीकों के कारण किसानों की रुचि बैलों की ओर कम हो गई है। फिर भी ग्रामीण इलाकों में कहीं-कहीं बैल देखने को मिलते हैं। आमतौर पर बैल का वजन 400-600 किलो होता है, लेकिन एक किसान का बैल 10 फीट लंबा, 5 फीट ऊंचा और 1500 किलो वजन का है, यह सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। दक्षिण भारत का यह एकमात्र प्रसिद्ध बैल बेलगावी जिले के कागवाड़ तालुका के ऐनापुर गांव के श्री सिद्धेश्वर मेले के एक टेंट में देखा गया। इस बैल को देखने के लिए किसान ने 10 रुपये का टिकट रखा था और लोग भारी संख्या में टिकट खरीदकर इस विशाल बैल को देखने पहुंचे। बता दें कि यह हाथी के आकार का बैल 100 हॉर्स पावर की क्षमता रखता है। एक ही बैल भारी ट्रक को खींचकर अपनी ताकत का प्रदर्शन करता है। यह बैल महाराष्ट्र के सांगली जिले के मिरज तालुका के खंडेराजुरी गांव के किसान वसंत चौहान का है और इसकी उम्र सात साल है। किसान वसंत चौहान ने बताया कि सात साल पहले किसान वसंत चौहान ने अपने घर की ॥स्र हाइब्रिड नस्ल की गाय को नाटी खिल्लारी नस्ल के बैल से क्रॉस-ब्रीडिंग करवाई थी। इसके परिणामस्वरूप यह बैल पैदा हुआ। इस बैल की खासियत यह है कि यह दो बैलों का काम अकेले कर सकता है। खेती के काम में हल खींचने के लिए इसे अकेले ही इस्तेमाल किया जाता है। महाराष्ट्र और कर्नाटक के कई मेलों में इसे टेंट लगाकर प्रदर्शित किया जाता है। इस विशालकाय बैल को देखने के लिए लोग टिकट खरीदते हैं। इससे हर मेले में 30 से 40 हजार रुपये की कमाई होती है। केवल प्रदर्शन से ही सालाना 4 से 5 लाख रुपये की आय होती है। इसके अलावा, कर्नाटक और महाराष्ट्र में इस बैल की विशेषता को देखते हुए कई संगठनों ने बैल और उसके मालिक वसंत को पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। कुल मिलाकर, हजारों बैलों के बीच यह विशालकाय बैल सबका ध्यान आकर्षित कर रहा है।

अजब-गजब | चार दशक पहले गुम हो गई ये नदी

गुड़गांव के नीचे बहती थी साहिबी नदी

हर शहर का अपना अलग इतिहास होता है। कई बार इस इतिहास से लोग रूबरू नहीं होते हैं। इस वजह से उन्हें ये जानकारियां हैरान करने वाली लगती हैं। हाल ही में ऐसी ही एक जानकारी लोगों को अनोखी लग रही है। ये जानकारी हरियाणा के गुड़गांव शहर की है जो जो दिल्ली-एनसीआर का अहम शहर बन चुका है जहां सैकड़ों कंपनियों के ऑफिस बने हैं। क्या आप जानते हैं कि इस शहर के नीचे एक नदी बहा करती थी? ये जानकारी इतनी दुर्लभ है कि यूपी-बिहार तो छोड़िए, जो लोग हरियाणा में रह रहे हैं, उन्हें भी शायद इस नदी के बारे में नहीं पता होगा, क्योंकि कई सालों पहले ही ये सूख गई थी।

जिस नदी की हम बात कर रहे हैं, उसका नाम था साहिबी, जिसे सीबी भी कहते थे। ये नदी जयपुर के जीतगढ़ नामक स्थान से निकलकर अलवर (राजस्थान), रेवाड़ी, गुड़गांव (हरियाणा) से होते हुए दिल्ली के नजफगढ़ नाले में गिरती थी और वहां से ये यमुना में जाकर मिल जाती थी। यह बारिश पर निर्भर नदी थी। रिपोर्ट्स की मानें तो 1980 के दशक तक इस नदी में पानी था। अब सवाल ये उठता है कि आखिर ये नदी कहां गई?

बारिश कम होने की वजह से ये नदी सूखती गई। इसके अलावा नदी को जबरदस्ती भी सुखाने का काम किया गया। सूखी हुई जमीन पर प्लाट काट-काटकर लोगों को बेचे गए और वहीं पर गुड़गांव का निर्माण हुआ। साल गुड़गांव गवर्नमेंट कॉलेज के प्रिंसिपल रहे डॉ. अशोक दिवाकर ने कहा था कि उन्होंने इस नदी में 1977 में आई बाढ़ देखी थी। रेवाड़ी के एक गांव में वो बाढ़ से जुड़े राहत कार्य को करने गए थे। तब पानी गुड़गांव के सेक्टर-14 स्थित गवर्नमेंट कॉलेज तक घुस आया था।

जानकारों का कहना है कि सिर्फ 4 दशक पहले तक जिस नदी में बाढ़ आती थी, उसका नामोनिशान अब मिट चुका है। जानकारों का कहना है कि नदी को सुखाकर उसके रास्ते में मकान और इमारतें बनाना खतरनाक है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में भूगोल से पीएचडी करने वाले डॉ. दिवाकर ने कहा था नदी के मार्ग में घर बनाने के बाद अगर बाढ़ आती है तो जान-माल के नुकसान में नदियां जिम्मेदार नहीं हैं। साहिबी नदी में कभी पानी भर जाए तो वो बाढ़ रूप में विनाश करेगी।

केजरीवाल के मन में जो आता है बोल देते हैं: राहुल

कहा- जब आए थे तो छोटी सी कार थी, आज शीश महल में रहते हैं

» नेता प्रतिपक्ष बोले- एक तरफ नफरत फैलाने वाले, दूसरी तरफ हम मोहब्बत वाले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी वायदों का पिटारा खोल दिया है। चुनाव प्रचार तेजी पर है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में धुआंधार प्रचार प्रारंभ कर दिया है। उन्होंने अपने भाषण मे आप और भाजपा दोनों पर करारा हमला किया है। राहुल गांधी ने वेस्ट विनोद नगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, केजरीवाल जो मन में आता है बोल देते हैं, जब वे आए थे तो उनके पास एक छोटी कार थी और उन्होंने कहा था कि वे एक नई तरह की राजनीति करेंगे।

उन्होंने कहा था कि वे दिल्ली को बदल देंगे लेकिन जब गरीबों को जरूरत थी, तो वे वहां नहीं थे, जब दंगे हुए तो वे वहां नहीं थे। उन्होंने कहा था कि वे स्वच्छ राजनीति करेंगे, लेकिन दिल्ली में शराब का सबसे बड़ा घोटाला हुआ और आपने उनके घर की फोटो देखी होगी। केजरीवाल एक महल में रहते हैं, शीश महल में। तो यह सच है। विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, एक तरफ नफरत फैलाने वाले बीजेपी-आरएसएस के लोग हैं और दूसरी तरफ कांग्रेस है-हम नफरत का हिंदुस्तान नहीं चाहते हैं। हमें मोहब्बत का हिंदुस्तान चाहिए। आरएसएस-बीजेपी जो एक भाई को दूसरे भाई से लड़ाते हैं एक धर्म को दूसरे धर्म से, एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाते हैं।

उद्धव कांग्रेस या आप के लिए नहीं करेंगे प्रचार : राउत

दिल्ली विधानसभा चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे कांग्रेस या आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार नहीं करेंगे। क्योंकि पार्टी ने तटस्थ रुख अपनाया है। सांसद संजय राउत ने हुए कहा कि आप और कांग्रेस, दोनों ही इंडिया गठबंधन के सदस्य हैं। शिवसेना (यूबीटी) के मित्र हैं। इसलिए पार्टी ने फैसला किया है कि दिल्ली में दोनों में से किसी के लिए प्रचार नहीं करेंगे।

शीशे के घरों में रहने वाले लोग दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते : सौरभ भारद्वाज

सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि हरियाणा के सोनीपत और पानीपत में सैकड़ों इंडस्ट्रियल यूनिट हैं। उनका प्रदूषण जहरीला होता है। उसे बिना ट्रीट किए अगर आप यमुना में डाल रहे हैं तो वो अपराध है। राहुल गांधी पर उन्होंने कहा, अमेठी छोड़कर कौन भागा था और दक्षिण भारत में केरल में राहुल गांधी के लिए एक सुरक्षित सीट ढूंढी गई थी, ये मुझे बताने की जरूरत नहीं है। मैं राहुल गांधी से सिर्फ ये कहना चाहता हूं कि शीशे के घरों में रहने वाले लोग दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते।

आप का कोई बड़ा वजूद नहीं : संदीप

नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार संदीप दीक्षित ने कहा, आप तो विपक्षी गठबंधन का बड़ा नगण्य हिस्सा है, छोटा सा हिस्सा है। आप का कोई बहुत बड़ा वजूद नहीं है। आप नेता अन्य प्रमुख दलों के नेताओं के साथ मिलकर अपनी जगह बनाने के लिए घूमते रहते हैं।

मानव-पशु संघर्ष का मामला संसद में उठाऊंगी : प्रियंका

» कांग्रेस सांसद ने किया वायनाड दौरा, मृतका राधा के परिजनों से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वायनाड। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी को केरल में उनके निर्वाचन क्षेत्र वायनाड के दौरे के दौरान सीपीएम कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाए। उन्होंने क्षेत्र में चल रहे मानव-पशु संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए, एक घातक बाघ के हमले पर देरी से प्रतिक्रिया देने के लिए उनकी आलोचना की। स्थानीय लोग वन्यजीव संरक्षण अधिनियम में बदलाव की मांग कर रहे हैं। प्रियंका ने राधा के परिवार से मुलाकात की, जो हाल ही में कनियारम, मननथावाडी में बाघ के हमले में मारी गई थी।

कांग्रेस नेता ने कहा राज्य और केंद्रीय फंड पर्याप्त नहीं हैं। कुछ चीजें हैं जो सीएसआर फंड से की जा सकती हैं, लेकिन पर्याप्त फंडिंग के बिना हम इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। मैं इस मुद्दे को संसद में उठाऊंगी। गांधी की यात्रा क्षेत्र में मानव-पशु संघर्ष पर बढ़ती चिंताओं के बीच हो रही है, जिसमें हाथियों के हमले के तीन पीड़ितों सहित चार लोगों की जान चली गई है। यहां मानव-पशु का यह मुद्दा बहुत गंभीर है। हमारी सार्थक चर्चा हुई और मैंने उन बिंदुओं को सामने रखा जो राधा के परिवार ने मेरे साथ साझा किए थे। मुझे उम्मीद है कि हम सब मिलकर काम कर सकते हैं। समुदाय के सुझावों पर प्रकाश डालते हुए, गांधी ने इस मुद्दे के समाधान के लिए पर्याप्त उपायों की कमी पर ध्यान दिया। केवल दो वन चौकीदार हैं, जिनमें से एक राधा का पति है। अधिक वन प्रहरी नियुक्त करने की आवश्यकता है।

मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने किया सुल्तानपुर का दौरा

» मंत्री का सुहेलदेव पार्टी और भाजपा के नेताओं ने गर्मजोशी से किया स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। राज्य की सरकार में पंचायती राज्य एवं अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम व एवं हज विभाग मंत्री ओम प्रकाश राजभर सुल्तानपुर जिला के दोस्तपुर में एक निजी दौरे पर थे। मंत्री दोस्तपुर ब्लॉक के नारामधईपुर निवासी सुभासपा महिला मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष राधिका पटेल के यहां आयोजित एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे। मंत्री का सुहेलदेव पार्टी और भाजपा के नेताओं समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर स्वागत किया।

इस मौके सुहेलदेव पार्टी के प्रदेश महासचिव शहजाद खान, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रातेश सिंह बंटी, मंडल अध्यक्ष विजयलक्ष्मी शुक्ला, आशुतोष सिंह, राहुल सिंह समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

अनुशासनहीनता पर दिग्विजय की फटकार

» मप्र में राहुल की सभा में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने किया था हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। महू में आयोजित लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं की अनुशासनहीनता उनके लिए बड़ी समस्या बन सकती है। जल्द ही अनुशासनहीनता मामले में कार्रवाई की जाएगी। दरअसल महू में जय बापू, जय भीम, जय संविधान कार्यक्रम के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ता लगातार नारेबाजी कर रहे थे उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी उन्हें रोकने की कोशिश की लेकिन वह सुनने को तैयार नहीं थे इसके बाद मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को जमकर फटकार लगाई।

जानकारी के अनुसार हंगामा करने वाले कार्यकर्ताओं कि जल्द रिमांड होने वाली है। इसमें प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे पर भी कार्रवाई हो सकती है। दरअसल इस दौरान आशुतोष चौक से भी सभा में मौजूद रहे और वह इन कार्यकर्ताओं को रोक नहीं पाए। जानकारी के अनुसार जल्द ही अनुशासनहीनता मामले में कार्रवाई की जाएगी। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री व कांग्रेस नेता अरुण यादव ने सौरभ शर्मा के मामले में भाजपा सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह तीसरी बार है जब उन्होंने सरकार से सवाल पूछा है।

कुछ लोग मीटिंग को बर्बाद करना चाहते थे : पूर्व सीएम

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि अरे आप लोग सुनो एनएसयूआई के लड़कों तुरंत झंडा नीचे करो। आप क्या कर रहे हैं? आप एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष की बात नहीं सुन रहे, पूर्व अध्यक्ष की बात नहीं सुन रहे। आप किस पार्टी के हो? चौकसे कहां पर है? ये क्या तरीका है, मीटिंग बिगाड़ने आए हो तुम लोग उन्होंने कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी कि कार्यक्रम की गरिमा को बनाए रखें, जय बापू, जय भीम, जय संविधान यात्रा का उद्देश्य बाबा साहब अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाना और संविधान की रक्षा का संकल्प लेना था। लेकिन इस तरह की अनुशासनहीनता से कार्यक्रम की गरिमा पर सवाल खड़े हो गए। एनएसयूआई के झंडे और नारों से माहौल बिगड़ता देख आयोजकों को कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा।दिग्विजय सिंह के अलावा अन्य नेताओं ने भी शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन एनएसयूआइ के कार्यकर्ता अनुशासनहीनता से बाज नहीं आए।

इंग्लैंड ने भारत को 26 रनों से हराया

टी-20 सीरीज 2-1 पर पहुंची

» ताश के पत्तों की तरह बिखरा भारत का बल्लेबाजी क्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजकोट। इंग्लैंड ने तीसरे टी20 मैच में भारत को 26 रनों से हराकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। बुधवार को राजकोट में खेले गए इस मुकाबले में टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और इंग्लैंड को बल्लेबाजी का न्योता दिया। मेहमानों ने बेन डकेट के 51 रनों की बदौलत 20 ओवर में नौ विकेट पर 171 रन बनाए। वहीं वरुण चक्रवती ने इंग्लैंड के पांच विकेट झटके। जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट पर सिर्फ 145 रन ही बना सकी। इस तरह इंग्लैंड ने इस सीरीज में पहला मुकाबला अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। पहला झटका संजू सैमसन के रूप में लगा, उन्हें जोफ्रा आर्चर ने अपना शिकार बनाया। वह सिर्फ तीन रन बना पाए, जबकि बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 24 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटे। इस मुकाबले में भारत के लिए हार्दिक पांड्या ने सर्वाधिक 40 रनों की पारी खेली। उन्होंने एक चौके और दो छक्के लगाए। उनके अलावा कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 14, तिलक वर्मा ने 18, वाशिंगटन सुंदर ने छह, अक्षर पटेल ने 15, ध्रुव जुरेल ने दो, मोहम्मद शमी ने सात, रवि बिश्नोई ने चार* और वरुण चक्रवर्ती ने एक* रन बनाया। इंग्लैंड की तरफ से जैमी ओवरटन ने तीन विकेट लिए जबकि जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स ने दो-दो विकेट लिए।

14 महीने बाद मोहम्मद शमी ने की वापसी

भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी 14 महीने बाद आखिरकार राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते नजर आए। शमी को इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले के लिए प्लेइंग-11 में जगह दी गई थी, लेकिन उनकी वापसी अच्छी नहीं रही और वह खाली हाथ रहे। भारत ने यह मुकाबला 26 रन से गंवाया, लेकिन वह पांच मैचों की सीरीज में फिलहाल 2-1 से आगे है। शमी इससे पहले आखिरी बार भारत के लिए वनडे विश्वकप 2023 फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले थे। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह मोहम्मद शमी को प्लेइंग-11 में मौका दिया गया है। उन्होंने अपने स्पैल के दौरान करीब 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार को छूआ जिससे उनकी फिटनेस को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा। सूर्यकुमार ने मैच के बाद कहा कि उन्हें यकीन है शमी अगले मैच में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

बिलखते लोग, बिखरे सामान बता रहे हादसे की भयावहता

» अपनों को खोजने में लगे परिजन, सरकार की व्यवस्था से नाराज दिखे श्रद्धालु

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ के संगम क्षेत्र बुधवार की सुबह दर्दनाक हादसा हो गया जिसमें 20 से अधिक लोगों की जान चली गई। हादसे की जगह से जो तस्वीरें आ रही हैं वह बहुत ही विभत्स व दिल को दहलाने वाली हैं। जीरों ग्राउंड पर जगह-जगह खून, चप्पल, जूतें महिलाओं के पर्स, कपड़े बिखरे हुए थे। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अचानक भीड़ उमड़ी और धक्का-मुक्की होने लगी। इस दौरान कई लोग गिर गए। लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना पिलर नंबर 155 पर हुई। कुछ लोगों ने बताया कि किसी तरह उन्होंने लोगों उठाया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लोग चिल्ला रहे थे। हम लोग विवश थे, किसी को बचा नहीं पाए। भीड़ के कारण ऐसा हुआ। गौरतलब हो कि महाकुंभ में मौनी अमावस्या के अमृत स्नान से पहले प्रयागराज के संगम तट पर भगदड़ मच गई, जिसमें कई श्रद्धालुओं के हताहत होने की खबर है। मौनी अमावस्या पर भीड़ के अत्यधिक दबाव की वजह से हालात बिगड़ गए। भीड़ अधिक होने के कारण कुछ श्रद्धालु गिर गए। जिसके बाद वहां भगदड़ मच गई। भगदड़ की घटना के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आया। तुरंत ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। देर रात करीब दो बजे संगम तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। देखते ही देखते मौके पर स्थिति बेकाबू हो गई। कुछ लोग गिरे तो भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। लोगों का सामान छूट गया।

तत्काल सेना को सौंपा जाए महाकुंभ का प्रशासन और प्रबंधन : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार के आयोजन के संचालन में विश्वास की कमी का हवाला देते हुए, महाकुंभ मेले के प्रशासन और प्रबंधन को तत्काल भारतीय सेना को सौंपने की मांग की है। उनकी यह प्रतिक्रिया आज सुबह-सुबह प्रयागराज के महाकुंभ में भगदड़ जैसी स्थिति के बाद आई है। अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि महाकुंभ में आए संत समाज और श्रद्धालुओं में व्यवस्था के प्रति पुनर्विश्वास जगाने के लिए ये आवश्यक है कि उप्र शासन-प्रशासन के स्थान पर महाकुंभ का प्रशासन और प्रबंधन तत्काल सेना को सौंप देना चाहिए। अखिलेश यादव ने ने कहा कि 'विश्वस्तरीय व्यवस्था' करने के प्रचार करते हुए दावों की सच्चाई अब जब सबके सामने आ गयी है, तो जो लोग इसका दावा और मिथ्या प्रचार कर रहे थे, उन्हें इस हादसे में हत हुए लोगों की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपना पद त्याग देना चाहिए। अखिलेश ने लिखा कि महाकुंभ में अव्यवस्थाजन्य हादसे में श्रद्धालुओं के हताहत होने का समाचार बेहद दुखद है। श्रद्धांजलि!

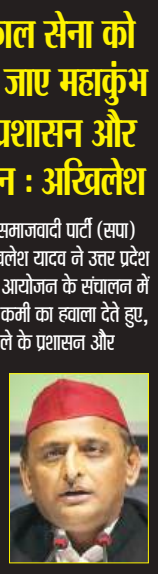

'जो गिर गया वो खड़ा नहीं हो पाया'

बिहार के पटना निवासी प्रत्यक्षदर्शी नलिन कुमार ने बताया कि हम लोग आठ आदमी आए थे, उनके साथ के दो साथी मिले नहीं है। एक अन्य मध्यप्रदेश के मुरैना के प्रत्यक्षदर्शी भगवंत सिंह ने कहा कि भीड़ की वजह से हादसा हुआ। उधर से लोग वापस आ रहे थे, इधर से भी लोग जा रहे थे। धक्का-मुक्की हुई तो लोग गिर गए, जो गिर गया वो खड़ा नहीं हो पाया। भीड़ ऊपर से निकलती चली गई। चीख-पुकार मच गई। हमने बचने का प्रयास किया। सब इधर-उधर भाग रहे थे। कई लोग इस भगदड़ में घायल हो गए।

बैरिकेडिंग करके रास्ता रोकने के कारण हुआ जानलेवा हादसा

एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, भगदड़ मचते ही लोग इधर-उधर दौड़ने लगे। बताया जाता है कि प्रयागराज के संगम तट पर अमृत स्नान से पहले देर रात करीब 2 बजे भगदछ मच गई। इसमें कुछ लोगों के हताहत होने की बात कही जा रही है। यह भी बताया जा रहा है कि बेकाबू भीड़ को बैरिकेडिंग करके रास्ता रोकने के कारण हादसा हुआ है।

एंबुलेंस में शार्ट-सर्किट से अफरा-तफरी

स्वास्थ्य विभाग के एक एंबुलेंस में शार्ट-सर्किट से आग लग गई जिससे वहां पर अफरा-तफरी भी मच गई। दरअसल, कुंभ मेला क्षेत्र में यूपी के स्वास्थ्य विभाग से सैकड़ों की संख्या में एंबुलेंस भी लगाए गए हैं। संगम क्षेत्र मे जब यह एंबुलेंस अपनी सेवाए दे रहा था तभी उसमे आग लग गई। प्रशासन ने तुरंत उसपर काबू पा लिया हालांकि यह आग एंबलेंस को और ज्यादा नुकसान पहुंचाती तो पूरे क्षेत्र में बड़ा हादसा हो सकता था। इसमें स्वस्थ्य विभाग की लापरवाही को लेकर भी चर्चा आम रही।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।